



भारत का अधिकार The Gazette of India

असाधारण EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 1

PART III—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० ३१]

नई विल्लो, मंगलवार, दिसम्बर 10, 1985/अग्रहायण 19, 1907

No. 311

NEW DELHI, TUESDAY, DECEMBER 10, 1985/AGRAHAYANA 19, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

आयत्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 266
पर (i) के अधीन मुच्चना ए

महाप्रभु आयकर आपूर्क (निरीक्षण), अर्जन रेज़-कलकत्ता का कार्यालय

निर्देश संग्रह सी.रेज़-1/कल/1985
कलकत्ता, 3 दिसम्बर, 1985

मर्दभ स. मी ए. 148/85-86/ एम एल 1119
 आर्टिंग ०१०/अर्जन-भार/कल :- यत., मुझे शेख नईमुद्दीन
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
 इसमें इसके पश्चात उन्न अधिनियम कहा गया है)
 की प्रारा 269व के अधीन सक्षम, प्राधिकारी को,
 यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति; जिसका
 उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी
 सं. 1/1 ए है तथा जो बिल्डिंग अनुकूल चन्द्र स्टीट,
 कलकत्ता में स्थित है (ओर इसमें उपावध अनुसूची में ओर
 पुणीहृष्ण से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय

आई. ए. सि. अर्जन रेज़ - 2, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-3-85 को पुर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विभवाम करने की कारण है कि यथापुर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, पन्द्रह प्रतिशत के अधिक है और अन्तरक (अन्तरिकी) ओर अन्तरिकाँ (अन्तलिकाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए ये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए और। या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिको को जिन्हे भागतीय आय-कर अधिनियम

1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए, को धारा 269प की उपधारा (1) के अवधि, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री/श्रीमती/कुमारी मैमर्स दुधोगिया कन्मदृक्षण के लिमिटेड (अन्तर्क)
2. श्री/श्रीमती/कुमारी मैमर्स जग कुमार मैन (अन्तर्गती)
3. श्री/श्रीमती/कुमारी ————— (वह व्यक्ति अधिभोग में मर्मान है)
4. श्री/श्रीमती/कुमारी ————— (वह व्यक्ति जिसके बारे अधोहस्ताक्षरी जाला है वह मम्पनि में हितवड़ है)

की यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त मर्मान के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त मर्मान के अर्जन के प्रति कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन को अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थवार सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पथ लिखित में किया जा सके।

स्पष्टीकरण— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ हीगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/1ए विज्ञवी अनुकूल चन्द्र स्टॉट, कलकत्ता में अवासित समान का 5वा नम्बर में आफिस ब्यूनिट नं. 5 एफ जो सक्षम प्राविकारी, नहायक आयकर आयकर आयकर (निरीक्षण) अर्जन रोड-3, कलकत्ता के पास भिरियन नं. सि. ध. 148 के अनुसार 6-3-85 तारिख में रजिस्टर हुआ।

तारीख : 3-12-85

मोहर :

NOTICES UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
OFFICE OF THE I.A.C., ACQUISITION RANGE-I

Calcutta, the 3rd December, 1985

Ref. No. C.A. 148[85-86]SI. 1119|I.A.C. Acq. R-I, Cal.—Whereas, I Shaikh Naimuddin being the Competent Authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the “said act”) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 11A, situated at Biplabi Anukul Chandra Street, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at I.A.C., Acq. R-I, Cal, on 6-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the Acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :

TRANSFEROR
M/s. DUDHORIA CONSTRUCTION CO LTD.
TRANSFeree
M/s. JAI KUMAR JAIN.

*Persons in occupation :

*Persons whom the undersigned knows to be interested in the property :

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

SCHEDULE

Land : Office Unit No. 5F on 5th floor.

Address : 11A, Biplabi Anukul Ch. Street, Calcutta.

Deed No. : Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-III Calcutta C.A. 148 dated 6-3-1985.

Date : 3-12-1985.

Seal :

*Strike off where not applicable

कलकत्ता, 2 दिसम्बर, 1985

निर्देश ये 1975/अर्जन आर-III/85-86—अत मुझे जेम्बू नईसुट्टिन आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 व्य के अधीन सक्षम, प्राधिकारी को, वह विष्वास करते वा कारण है कि स्थावर मम्पति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- ₹ में अधिक है और जिसको मं. 32/1 है तथा जो गरिमाहाट रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में भी पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आईएसीअर्जनआर-III कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-3-85 को पूर्वोक्त मम्पति के उचित वाजार मूल्य में कम के दृष्टमात्र प्रतिशत के लिए अंतरिक को गठि है और मुझे यह विष्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित वाजार मूल्य, उपके दृष्टमात्र प्रतिशत से, ऐसे दृष्टमात्र प्रतिशत के पन्द्रह प्रतिशत के अधिक है और अन्तरक (अन्तरक और अन्तरिको (अन्तरिकों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए पाया गया प्रतिशत, निम्ननिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखन में वास्तविक स्थान नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण में ही आय की वाचन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उसके बचन में सुविधा के लिए और। या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आय तकों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धनकर

अधिनियम, 1957 (1957 मा 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिको द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, या, छिपाते म सुविधा के लिए, को धारा 269क को उपधारा (1) के अधीन, निम्ननिवित व्यक्तियों अर्थात्

- 1 अमृत कामगिरी को (प्रा.) वि. अन्तरक)
- 2 वार्ता पद वन्देपाध्याय (अन्तरिक)
- 3 श्री/श्रीमती कुमारी— (वह व्यक्ति, अधिभीग में सम्पत्ति है)
- 4 श्री/श्रीमती कुमारी— (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है वह सम्पत्ति में हितवड़ है)

को वह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उस सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आदेश—

(क) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 15 दिन की अवधि या तत्परधी व्यक्तियों पर गूचना की तारीख से 309 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा—

(ख) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पश्च लिखित में किये जा सकें।

प्राप्तीकरण—इसमें प्राप्त जब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो अध्याय में दिया गया है।

अनुमत्ती

प्लाट न - सी

ओव - 925 व फ०

तारीख 2-12-85

गोहर

Calcutta, the 2nd December, 1985

Ref. No. 1975/Acq. R-III/85-86.—Whereas, I, Shaikh Naimuddin being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 32/1 situated at Gariahat Road (South) Calcutta (and more fully described in the Schedule

(annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering officer at Cal., Acq. R-III/37IE-6091 Calcutta on 6-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration. Therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

TRANSFEROR

Amrita Commercial Co. (P) Ltd.

TRANSFeree

Kali Pada Bandyopadhyay

*(Persons in occupation) :

*(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property) :

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property with 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

SCHEDULE

All that premises measuring 925 sq. ft, being No. 3211 Gariahat Road, (South) Calcutta, reed, before IAC, Acq. R-III/Cal. vide No. 37IE-6091/Acq. R-III/Cal. dated 6-3-1985.

Dated : 2-12-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable)

निदेश म. 1974/ अर्जन आर-III/8 5-8 6-अन् भा. गोद्र नाइपुहित आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) को धारा 269ब के अंतीम संस्कृति, प्राधिकारों की बहु विवादों करने का कारण है कि आयकर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु. से अधिक हो और जिसकी ग. 62/7/प्राईवे है तथा जो बालीज नामकार रोड, कलकत्ता में स्थित है (आर. इस उपाबद्ध अनुसूची में आंग यूनियन से वर्णित है), राजस्ट्रोकर्ना अधिकारी के कार्यालय अद्वितीय अर्जन आर-III, कलकत्ता में, राजस्ट्रोकर्ना अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अंतीम, तारीख 6/3/85 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के बिना अन्तरित को गई है और मैंने यह विवाद करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल के, एं से दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत के अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिका (अन्तरिकों) के बीचोंमें अन्तरक के तप पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरक निवृत्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरक में द्वाई किमो आय की वात्रत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अंतीम कर देने के अन्तरक के दायित्व में कहीं करने या उसके वचन में सुविधा के लिए आंग/या
- (ख) एसों किमो आय की विस्तृत या अन्य आमिनों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या भत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रतीक्षनाथ अन्तरिकों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपने में गुवाही के लिए,

को धारा 269ब की उपाधि (i) के अंतीम निम्नलिखित व्यक्तियों अंतर्गत:—

1. श्री पश्चिम कोपारेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि. (अन्तरक)
2. श्री शम्भु दयान गृह (अन्तरिका)
3. श्री/श्रीमती/कुमारी ————— (वह व्यक्ति अधिभोग में सम्मिलित है)
4. श्री/श्रीमती/कुमारी ————— (वह व्यक्ति जिसके धारे में अधिभोग सम्मिलित है)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आदेश—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होते हो, के भीतर पूर्वोंकाल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थ वर सम्पत्ति में हित-बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पश्च निश्चित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20(क) में परिभ्रषित है, सही अर्थ होगा जो अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट

क्षेत्र—15679 ब.कु.

पारम्पर 2-12-85 घोष नाईमुद्दिन, सक्षम प्रधिकारी
मोहर राहायक आयकर आयुक्त (निर्वाचन)
अर्जन रेज 3
51, रफ़ी अहमद किदवाई रोड,
कलकत्ता-16

Ref. No. 1974/Acq. R-III/85-86.—Whereas, I, Shaikh Naimuddin being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 62/7/1B situated at Ballygunge Circular Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering officer at Cal., 37EE-611/Acq. R-III/Calcutta on 6-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration. Therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money of other assets which have not been or which ought to be disclosed

by the transferee for the purpose of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act of the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

TRANSFEROR

Pashupati Co-operative Housing Society Ltd.

TRANSFeree

Shambhu Dayal Gutpa.

*(Persons in occupation):

*(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property):

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

SCHEDULE

All that premises measuring 1567 sq. ft. being premises No. 62/7/1B, Ballygunge Circular Road, Calcutta, Regd. before IAC Acq. Range-III Cal. Vide No. 37EE-611/Acq. R-III/Cal. dated 6-3-1985.

Date : 2-12-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable).

SHAIKH NAIMUDDIN, Competent Authority
IAC : Acquisition Range-III : Cal.
(Inspecting Assistant Commissioner
of Income Tax : Acquisition Range :
Calcutta).

54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

